वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 248 | शुक्रवार 5 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दो दिन शीतलहर का रेड अलर्ट : जयपुर में 13 तक स्कूलों में छुट्टी

सितमगर सर्दी, 8 शहरों में दिन का पारा 8 डिग्री लुढ़का...

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश में सर्दी सितम ढहा रही है। लगातार चल रही ठंडी हवाएं, सुबह के दौरान घना कोहरा और दिन में गलन ने धूजणी छुड़ा दी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन घने कोहरे और शीतलहर का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, जयपुर में सरकारी और निजी स्कूलों में 8वीं तक कक्षा की शीतकालीन छुट्टियां 13 जनवरी तक बढ़ा दी गई हैं। चौबीस घंटे के दौरान रात से ज्यादा ठंड दिन में रही। प्रदेश के आठ शहरों में दिन का तापमान सामान्य से 8 डिग्री नीचे चला गया। स.माधोपुर, करौली, संगरिया, अंता-बारां, श्रीगंगानगर, पिलानी, कोटा में अधिकतम तापमान 15 डिग्री से कम रहा। वहीं नौ शहरों में रात का पारा 5 डिग्री या इससे कम रहा। माउंट आबू में न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु पर आ गया। इसके अलावा सीकर में 1.0 और फतेहपुर में 2.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ।

दो दिन अतिशीत, 7 से मावठ

दो दिन अतिशीत दिन, 7 से मावठ के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले दो दिन घने कोहरे व अतिशीत की परिस्थितियां बनी हुई हैं। 7 जनवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा और उदयपुर, कोटा संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। 8-9 जनवरी को जयपुर, अजमेर, कोटा, बीकानेर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

इन इलाकों में कोहरा का असर, जनजीवन प्रभावित

गुरूवार सुबह बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, भरतपुर, करौली, सवाई माधोपुर, धौलपुर, बारां, झालावाड़, बूंदी, कोटा, जयपुर, दौसा, अलवर, सीकर, झुंझुनूं और अजमेर, नागौर, भीलवाड़ा, टोंक में घना कोहरा छाए रहने से जनजीवन प्रभावित रहा। कोहरे के चलते विजिबिलिटी 50 से 100 मीटर रही। किशोरपुरा में सिगड़ी के धुएं से दम घुटने से दंपती की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान पलायथा निवासी लक्ष्मण और पत्नी चंदा के रूप में हुई है। बुधवार रात खाना गर्म करने के लिए सिगड़ी जलाई थी। ऐसे में धुएं से दम घुट गया। सुबह बेटा जगाने पहुंचा तब घटना का पता चला।

बीजेपी विधायकों,पदाधिकारियों की बैठक में अहम टास्क देंगे मोदी

एयरपोर्ट से सीधे बीजेपी दफ्तर पहुंचेंगे मोदी, तीन घंटे पार्टी मुख्यालय में मंथन

जयपुर. कासं

पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार शाम को जयपुर के प्रदेश बीजेपी मुख्यालय में पार्टी के विधायकों और संगठन के पदाधिकारियों की बैठक लेकर लोकसभा चुनाव से पहले अहम टास्क देंगे। केंद्र सरकार की योजनाओं और संगठन के कार्यक्रमों को और गति देने पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी पहली बार राजस्थान बीजेपी मुख्यालय में बैठक लेंगे। पीएम मोदी शुक्रवार शाम 5:35 पर जयुपर एयरपोर्ट पहुंचेंगे, एयरपोर्ट से

सीधे बीजेपी मुख्यालय पहुंचेंगे। मोदी शाम 6 बजे से लेकर रात 9 बजे तक बीजेपी मुख्यालय रुकेंगे। पीएम साझा बैठक लेने के अलावा चुनिंदा नेताओं से अलग भी चर्चा कर सकते हैं। पीएम की बैठक का मुख्य फोकस केंद्र सरकार की बड़ी स्कीम्स का ग्राउंड पर प्रचार करने, विकसित भारत संकल्प यात्रा की प्रोग्रेस के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारियों और राज्य सरकार के भावी कार्यक्रमों पर भी रहेगा। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राजस्थान से नियमित रूप से लोगों को दर्शन के लिए जत्थे ले जाने के भावी कार्यक्रम अरैर तैयारियों पर भी चर्चा होगी। सीएम और प्रदेशाध्यक्ष बीजेपी मुख्यालय में पीएम मोदी की बैठक को लेकर स्थानीय नेता तैयारियों में जुटे हुए हैं। बीजपी मुख्यालय में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। पीएम के दौरे को देखते हुए शहर और बीजेपी प्रदेश कार्यालय को सजाया गया है।

पुलक जन चेतना मंच का लेपर्ड रिजर्व सफारी में हुआ कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

पिंक सिटी पुलक जनचेतना मंच जयपुर की तरफ से गलता गेट स्थित आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व सफारी ले जाया गया। ग्रुप के अध्यक्ष नीतू सोगानी ने बताया कि कई वर्षों से यह ग्रुप धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रम भी करता रहता हैं। ग्रुप की कार्याध्यक्ष आशिमा लुहाड़िया ने बताया कि सभी महिलाओं ने सबसे पहले भट्टरकजी की नसियां में प्रार्थना के बाद भोजन किया और वहां से सभी अपनी गाड़ियों के साथ आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व रवाना हुए। कार्यक्रम के संयोजक पूजा जैन, एवम मंत्री सरोज जैन ने बताया की तारीफ 80 महिलाओं ने इस कार्यक्रम का आनंद लिया। अमरगढ़ रिजर्व सफारी में 10 सफारी गाड़ियों में महिलाओं ने करीब ढाई घंटे तक 17 किलोमीटर आमागढ़ रिजर्व को देखा और करीब वहां 20 पैंथर है जिन्हें सबने देखा। गुलाबी शहर की गुलाबी सर्दी में सभी ने ओपन राइड जीप में सवारी कर वहां पर आनंद लिया सभी ने फोटोग्राफ्स करवाए। कार्यक्रम में ग्रुप की संरक्षक पूनम रारा, मधु ठोलिया, वंदना जैन, मीना जैन चौधरी, पूजा पाटौदी, रानी सोगानी, राखी गंगवाल, मोनिका जैन, रीटा गंगवाल लगभग 80 महिलाओं ने सफारी में आनंद लिया।

सांस्कृतिक विरासत के साथ आगरा में देंगे अशोक नगर के युवा प्रस्तुती

पिच्छिका परिवर्तन समारोह के लिए अस्सी युवाओ का दल रवाना, थूवोनजी अशोक नगर जैन समाज करेगा द्रव्य भेंट

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। ताज नगरी आगरा में विराजमान मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में होने वाले पिच्छिका परिवर्तन समारोह में अपनी संस्कृतिक प्रस्तुति देने हेतु अशोक नगर की युवा समाज सेवी संस्था श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग अपने असी सदस्यई दल के साथ आगरा के लिए रवाना हो गया जहां नृत्य गीत संगीत के साथ ही आगरा शहर की संस्कृति विरासत को समेटे हुए भव्य प्रस्तुति दी जाएगी।

युवा वर्ग की विभिन्न टीमों को सौंपी जिम्मेदारी: उक्त आश्य की जानकारी देते हुए युवा वर्ग के संरक्षण विजय धुर्रा ने बताया कि इस हेतु युवा दारा कई महीनों से इस हेतु सुलभ अखाई सचिन एन एस अंकित छाया रितेश वेलई टिंकल एन के निक्की वर्तन अमित खजूरिया के नेतृत्व में टीम ने सभी आवश्यक कार्यो को अंतिम रूप दिया।संगीत के साथ ही संस्कृति प्रस्तुत में वालिका युवा वर्ग द्वारा समारोह के दौरान विभिन्न भजनों पर नृत्यो की प्रस्तुति दी जाएंगी जिसका अभ्यास वालिका वर्ग द्वारा निरंतर किया जा रहा है ये सभी प्रस्तुतियां पिच्छिका परिवर्तन समारोह की मुख्य मंच से दी जाएगी जिसका सीधा प्रसारण विभिन्न चैनलों द्वारा किया जायेगा।

महिला युवा वर्ग द्वारा की जायेगी महापूजा: इसके साथ ही श्री दिगम्बर जैन महिला युवा वर्ग द्वारा महा पूजन आगरा में सम्पन्न की जायेगी इस हेतु महिला युवा वर्ग अध्यक्ष अभिलाषा जैन पारस गोल्डन दारा दीपा अखाई वर्षा जैन रीना धुर्रा नैन्सी जैन पूजा जैन रीना वर्तन नीतू ने एस को जिम्मेदारी सौंपी गई है। लोकोदय तीर्थ पर सात जनवरी को होगा समारोह मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि लोकोदय तीर्थ आगरा में सात जनवरी को मध्ययान में भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह संयम उत्सव होगा जहां देशभर से भक्त पहुंच कर समारोह में शामिल होंगे।

तीर्थंकर ग्रुप की नववर्ष धार्मिक यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर ने नववर्ष 2024 में धार्मिक यात्रा कर पुण्यार्जन किया। इस यात्रा में तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणी'-डां शान्ति जैन मणि,कोषाध्यक्ष पारस-मंजू लुहाडिया ,डां मनीष मणि(राष्ट्रीय फेडरेशन निदेशक)-डां अलका जैन,हार्दिक जैन, कैलाश सरनका, संदीप-अनिता लुहाडिया(यात्रा संयोजक),नरेश-ममता ठोलिया ,राकेश-अरुणा व सोम्या अजमेरा व मधुबाला ने भाग लिया। जयपुर से 30 दिगम्बर की सांय ट्रेन से गुणा पहूंच कर रात्रि विश्राम किया व सुबह उठकर शान्तिनाथ भगवान के दो मंजिले जिनालय के दर्शन कर बजरंगढ पहुंचे।वंहा 108 मुनीश्री आगमन सागर जी व पुनीत सागरजी के मुखारबिंद से शान्तिधारा सुनी व प्रवचन का लाभ लिया तथा वंहा बन रहे विशाल मंदिरजी के निर्माण को देखा व उसमें विराजमान श्रीजी के दर्शन किए। इसके बाद खनियाधाना के विद्या सागर पब्लिक स्कूल के छात्रावास में राजीविश्राम किया व सवेरे प्रार्थना के समय छात्रों से वातार्लाप कर उन्हें एक दिन के भोजन के लिए 11000/- की राशी प्रदान की।फिर गोलाकोट पहुंच कर सभी सदस्यों ने बोली के माध्यम से अभिषेक किया व महिलाओ ने पूजा-पाठ कर धर्म लाभ लिया।वंहा से थुवांजी पहुंचे, चन्देरी में नव जीर्णोद्धार मंदिरजी के दर्शन किए व खण्डार गिरी के पांचों मंदिरों का दर्शन लाभ लिया व सिरोंज जी पहुंच कर दोनों मंजिलों के श्रीजिन के दर्शन किए व देवगढ पहुंचे जहां पहाडी के मंदिरों के दर्शन किये व भोजन किया । ललितपुर में क्षेत्रपाल मंदिर के नव निर्माण को देखकर मन प्रफुल्लित हो उठा जंहा पुरानी मूर्तियों को एक तरफ देखा वंही दूसरी तरफ विशाल तीन बडे गुम्बज के मंदिर में तीन पदमासन विशाल मूर्तियां जिनमें अभिनन्दन भगवान, आदिनाथ भगवान व नेमीनाथ भगवान विराजमान थे।इसके बाद पपोराजी पहुंचकर विश्राम किया व सुबह उठकर 105 प्राचीन मंदिरों के दर्शन किये व 45 फिट ऊंची आदिनाथ भगवान के दर्शन कर अहारजी गये व वंहा के कुंथुनाथ, अरहनाथ, शान्तिनाथ भगवान के विशाल मंदिर व त्रिकाल चोबीसी के व निचे की मंजिल के मंदिर के व अन्य 8 मंदिरों के दर्शन कर पुनः गुणा पहूंचें व एक अन्य नवीन मंदिर के विशाल मंदिर के दर्शन किये व वापिस जयपुर लौट आये। डां मणि ने सभी याजियों का आभार व्यक्त किया।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन 8 जनवरी को

जांच, ऑपरेशन, दवाई, चश्मा, खाना सभी निःशुल्क

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

राजाखेड़ा । समाजसेवियों द्वारा प्रत्येक माह की 8 तारीख को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। समाजसेविका श्रीमती शशि कमलेश जैन ने बताया कि अपनी सासूमां स्वर्गीय श्रीमती भगवानदेवी जैन की पुण्य स्मृति में धौलपुर जिले की तहसील राजाखेड़ा में प्रत्येक माह की 08 तारीख को प्रातः 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इस शिविर में रतन ज्योति नेत्रालय ग्वालियर से नेत्र चिकित्सकों की पूरी टीम नेत्र रोगियों की जांच, परीक्षण आदि करती है और मोतियाबिंद के रोगियों का ऑपरेशन हेतु चयन करती है। चयनित सभी मरीजों को ऑपरेशन हेतु ग्वालियर ले जाया जाता है, जहां सभी की आंखों के ऑपरेशन किए जाते हैं । इस शिविर में किसी भी क्षेत्र में निवास करने वाले मरीज लाभान्वित हो सकते हैं। वरुण वैबरेज लि. कंपनी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, वरिष्ठ समाजसेवी सीए कमलेश जैन गुरुग्राम ने जानकारी देते हुए बताया कि हमने सकल्प लिया है कि राजाखेड़ा क्षेत्र को मोतियाबिंद रहित क्षेत्र बनाना है। इस पुनीत संकल्प के साथ हम प्रतिमाह नेत्र चिकित्सा शिविर लगाते आ रहे हैं। शिविर में सभी नेत्र रोगियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्रदान की जाती हैं। रतन ज्योति नेत्रालय ग्वालियर के भदोरिया ने बताया कि अभी तक इस क्षेत्र के लगभग 50,000 नेत्र रोगी इन शिविरों से लाभान्वित हो चुके हैं साथ ही लगभग 6,500 नेत्र रोगियों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन हो चुके हैं । शिविर में सम्मिलित होने वाले सभी नेत्र रोगियों के लिए जांचे, दवाइयां, आंखों का ऑपरेशन, ग्वालियर का मार्ग व्यय, आवास, काला चश्मा, भोजन आदि सभी की निःशुल्क व्यवस्था रहती है। प्रत्येक माह आयोजित होने वाले निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के इस महायज्ञ में अ.भा.श्री दिगम्बर जैसवाल जैन उपरोचियां सेवा न्यास, जैन एसोसियेशन फार इंसपायरिंग न्यू जेनरेशन, रक्षक ग्रुप राजाखेड़ा एवम रतन ज्योति चेरिटेबल फाउण्डेशन ग्वालियर का विशेष सहयोग रहता है।

विद्याधर नगर में श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ दूसरा दिन

संसार के प्रत्येक कण में प्रभु दर्शन : मृदुल कृष्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया। भागवत मिशन परिवार के बैनर तले गिर्राज संघ परिवार विश्वकर्मा,जयपुर का परिवार के 25वें वार्षिकोत्सव पर विद्याधर नगर सेक्टर-7 अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछेस्थित मैदान पर चल रहे। श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के दूसरे दिन गुरुवार को उप मुख्य मंत्री प्रेमचंद्र बैरवा,पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया,राजस्थान उच्च न्यायालय के निदेशक संजय शर्मा व श्रीकाले हनुमान मंदिर चांदी की टकसाल के महंत गोपाल दास जी महाराज ने कथा का श्रमण किया। इस मौके पर परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज ने कहा कि श्रीमद भागवत कथा श्रवण करने मात्र से व्यक्ति की भगवान में तन्मयता हो जाती है। उन्होने कहा धर्म जगत में जितने भी योग, यज्ञ, तप, अनुष्ठान आदि किए जाते हैं,उन सब का एक ही लक्ष्य होता है कि हमारी भक्ति भगवान में लगी रहे मैं अहर्निश प्रतिक्षण प्रभु प्रेम में ही समाया रहूं।संसार के प्रत्येक कण में हमें मात्र अपने प्रभु का ही दर्शन हो। श्रीमद्भागवत कथा श्रवण मात्र से भक्त के हदय में ऐसी भावनाएं समाहित हो जाते हैं और मन, वाणी और कर्म से प्रभु में लीन हो जाता है। श्री व्यास जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत के प्रारंभ में सत्य की वन्दना की गई है,क्योंकि सत्य व्यापक होता है सत्य सर्वत्र होता है और सत्य की चाह सबको होती है। पिता अपने पुत्र से सत्य बोलने की अपेक्षा रखता है भाई भाई से सत्य पर चलने की चेष्टा करता है मित्र मित्र से सत्यता निभाने की कामना रखता है यहां तक की चोरी करने वाले चोर भी आपस में सत्यता बरतने की अपेक्षा रखते हैं।

॥ श्री वासुपूज्याय नमः

श्री दिगम्बर जैन मंदिर, भागलपुर (बिहार)

श्री 1008 श्री मज्जिनेन्द्र जिनबिम्ब

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव

एवं विश्व शान्ति महायज्ञ

25 जनवरी से 30 जनवरी 2024

वात्सल्य आमंत्रण

पंचकल्याणक

मंगल आशीर्वाद
राष्ट्रसंत संयम महोदधि गणाचार्य
श्री विराग सागर जी महामुनिराज

प्रेरणा व सानिध्य
आगमनिष्ठ श्रुत वारिधि श्रमण
श्री विशल्य सागर जी मुनिराज संसघ

साधर्मी धर्मानुरागी,
सादर जयजिनेन्द्र!

देवाधिदेव 1008 श्री वासुपूज्य भगवान की पंचकल्याणक स्थली पौराणिक चम्पापुर में भागलपुर नगर के जिनमंदिर में नवनिर्मित भव्य मूलवेदी में मूलनायक श्री वासुपूज्य प्रभु के मनोज्ञ जिनबिम्ब की प्रतिष्ठा के महानुष्ठान पंचकल्याणक महोत्सव में आप सपरिवार बन्धु–बान्धवों सहित सादर आमंत्रित है।

कार्यक्रम स्थल : श्री श्री गौशाला, कोतवाली थाना के पास, एम.पी.द्विवेदी रोड, भागलपुर (बिहार)

विशेष : साधर्मी अतिथियों के लिए आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है।

सम्पर्क सूत्रः

विजय कुमार रारा 9431213416
पदम चन्द पाटनी 8789191269
जय कुमार काला 9431214780
सुमन्त कुमार पाटनी 9060192795

वेद ज्ञान

मन बच्चे की तरह होना चाहिए

भौतिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों से संपन्न होता है मनुष्य। वह इन शक्तियों को प्रयोग में ला सकता है। उनके उचित प्रयोग द्वारा वह वांछित परिणामों को पा सकता है। बाल्यावस्था में शरीर मन के प्रति अधिक संवेदनशील होता है। मन अधिक सुगमतापूर्वक शरीर से अपने आदेशों का पालन करवा सकता है। बाद में जब बच्चे में विभिन्न आदतों का विकास हो जाता है, तो मन और शरीर पहले की भांति सामंजस्य के साथ कार्य नहीं करते हैं। एक बच्चे की तरह हमारा शरीर मन के नियंत्रण में होना चाहिए। शरीर केवल संवेदनाओं का एक पुंज है। संवेदनाओं को अपने से अलग करना आसान नहीं है, लेकिन हमें निरंतर इस चेतना में रहना चाहिए कि आत्मा के रूप में परमात्मा हमारे साथ हैं। जब मन, शरीर एवं उसकी मांगों के पूर्णतः अधीन होता है, जैसे कि अधिकतर लोगों के साथ होता है, तो मन को शरीर से अलग करने का अभ्यास करना चाहिए। आरंभ में धीरे-धीरे छोटी-छोटी वस्तुओं से मन को अलग करना उत्तम होता है। दिव्य चेतना में आपको यह अनुभव होता है कि आत्मा रूप में आपके कोई हाथ, पैर, आंखें अथवा कान नहीं हैं और न ही आपको इन शारीरिक अंगों की आवश्यकता है, फिर भी आप इन शारीरिक अंगों का उपयोग कर सकते हैं। केवल मानसिक शक्ति के द्वारा सुनना, देखना, सूंघना, चखना एवं स्पर्श करना संभव है। अनेक संत ईश्वर की वाणी अपने कानों से नहीं अपने मन से सुनते हैं। चेतना की ऐसी अवस्था काल्पनिक नहीं है, बल्कि एक वास्तविक अनुभव है। यह आपका अनुभव नहीं हो सकता, जब तक कि आप ध्यान न करें। यदि आप अत्यधिक भक्ति के साथ ध्यान करें, तो किसी दिन जब आपको इसकी तनिक-सी भी आशा नहीं होगी, आपको भी वही अनुभव होगा। ज्ञान एवं इच्छा तन एवं मन को नियंत्रित करती हैं। ज्ञान आत्मा का अंतज्ञार्नात्मक सत्य का प्रत्यक्ष ज्ञान है। युद्ध के समय लक्ष्य-दूरी मापक यंत्र को यह निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है कि गोला कहां दागना है।

संपादकीय

कूटनीति से मजबूती...

देश नीति की दृष्टि से साल 2023 में भारत के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि जी-20 संगठन और उसके शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी रही। भारत ने ''वसुधैव कुटुंबकम'' और ''एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य'' द्वारा दुनिया को यह संदेश दिया कि वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी मानव जाति के हितों का ध्यान रखना आवश्यक है। अगर ताकतवर देश अपने संकीर्ण राष्ट्रवाद पर ध्यान देंगे, तो मानव-जाति को चुनौती देने वाली जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं का समाधान नामुमकिन है। इतना ही नहीं, भारतीय कूटनीतिज्ञों ने शिखर सम्मेलन के दौरान बड़ी खूबसूरती से यूक्रेन-युद्ध जैसे ज्वलंत मसले पर भी सहमति बनाने में सफलता हासिल की। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को मुबारकबाद देना चाहिए, जिनके निर्देशन में यह सब संभव हुआ होगा। जी-20 की मेजबानी तो चुनौतीपूर्ण थी ही, इस साल कई अन्य मुद्दे भी हमारे सामने चुनौती पेश करते रहे। सबसे अधिक परेशानी चीन के रवैये से पैदा हुई, जो सामरिक और आर्थिक, दोनों है। साल 2020 में चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जो कदम उठाए थे, उसका पूर्ण समाधान इस वर्ष भी नहीं हो सका। हां, भारतीय सेनाओं ने हर मुमकिन प्रयास किया है, जिसके कारण चीन को यह एहसास हो गया कि यदि उसने अब भारतीय जमीन को हड़पने की कोशिश की, तो भारत के पास उसे विफल करने की पर्याप्त क्षमता है। हालांकि, हमारी पूरी कोशिशों के बावजूद चीन के साथ हमारा आयात बढ़ रहा है। जाहिर है, सरकार ने आत्मनिर्भरता का जो आह्वान किया है, उस पर भारतीय उद्योगपतियों, व्यापारियों को ध्यान देना होगा। मतलब साफ है, 1990 के दशक में चीन के साथ जो समझौते हुए थे, वे अब निरर्थक हो गए हैं और एक मजबूत नीति की हमें सख्त दरकार है। चीन की चुनौती का सामना भारत को खुद करना होगा, लेकिन इसमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी भूमिका हो सकती है, जैसे, 'क्वाड' (ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका का गुट) को मजबूत बनाने का प्रयास करना। इससे भारत की साख हिंद-प्रशांत क्षेत्र में और बढ़ेगी, लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि इन देशों के साथ जो स्वतंत्र नीतियां हमने अब तक अपनाई हैं, उन पर हम कायम रहें और बहुपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाएं। इस क्षेत्र के देश भी यही चाहते हैं। इस साल चीन का प्रभाव भारत के पश्चिमी पड़ोस के देशों में खासा बढ़ा है। पाकिस्तान के साथ उसके अच्छे रिश्ते तो हैं ही, ईरान, अफगानिस्तान और मध्य एशियाई देशों में भी उसकी नीतियां आगे बढ़ती रहीं। हमारे करीबी पड़ोस में भी उसने दबाव बनाए रखा। चूंकि उसकी तिजोरी भरी हुई है, इसलिए वह अपनी धनराशि से हमारे पड़ोसी देशों को लुभाने की कोशिश करता रहता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कानून और आशंकाएं

भारतीय न्याय संहिता में ''हिट ऐंड रन'' मामलों के लिए जो कानूनी प्रावधान किया गया है, उसमें पहली नजर में कोई खोट नजर नहीं आता। धारा 104(2) का प्रावधान सड़क पर हुई किसी दुर्घटना के दौरान वाहन चालक की जिम्मेदारी तय करने और उसका व्यवहार बदलने की एक कोशिश दिखाई देता है। आमतौर पर दुर्घटना के बाद वाहन चालक घटनास्थल से भाग निकलता है, इसीलिए ऐसे मामलों को 'हिट ऐंड रन' केस कहते हैं। संसद से पारित यह नया प्रावधान कहता है कि दुर्घटना के समय वाहन चालक की पहली जिम्मेदारी है, घायल को अस्पताल पहुंचना। वह ऐसा नहीं करता है, तो उसे इसके लिए दस साल की सजा और दस लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। इस कानून ने पूरे देश के ट्रक और बस ड्राइवरों को उद्वेलित कर दिया है और उन्होंने नया साल शुरू होते ही चक्का जाम कर दिया। गुजरात के राजमार्ग पर 25 किलोमीटर लंबा जाम होने की खबर आ रही है। एक ही दिन की हड़ताल के बाद चंडीगढ़ जैसे शहर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो चुका है, उनके बाहर वाहनों की लंबी लाइनें लग गई हैं। हजारों लोग जो पूरे उत्तर भारत से नया साल मनाने के लिए मनाली या शिमला गए थे, वे वहीं अटक गए हैं। उनकी गाड़ियों में ईंधन नहीं बचा और सप्लाई पहुंचाने वाले वाहन पेट्रोल पंपों तक पहुंच ही नहीं सके हैं। डर है कि आने वाले कुछ घंटों में कई जगहों पर खाने-पीने के सामान की किल्लत हो सकती है। सवाल है, आखिर वाहन चालक इतने नाराज क्यों हैं? वाहन चालकों का जो तर्क है, उसे पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि दुर्घटना के बाद अगर वे घटनास्थल से न भागें, तो वे भीड़ हिंसा के शिकार हो सकते हैं। दुर्घटना के बाद भागना उनका आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि आत्मरक्षा की कोशिश है। इसलिए इसे अपराध मानकर इसके लिए सजा और जुर्माने का प्रावधान ठीक नहीं है। ऐसे बहुत सारे मामले हैं, जहां दुर्घटना के बाद भीड़ ने वाहन चालक को बुरी तरह पीटा। भीड़ जब इस तरह का बर्ताव करती है, तब वह नहीं देखती कि दुर्घटना में दरअसल गलती किसकी थी? सड़कों पर बेपरवाही से वालन चलाते अक्सर बहुत सारे चालक दिख जाते हैं, जिनकी वजह से दुर्घटनाएं होती हैं, मगर हर दुर्घटना में वाहन चालक को ही दोषी मान लेना ठीक नहीं कहा जा सकता। व्यावसायिक वाहनों के चालकों के अभी तक जो बयान आए हैं, उनके अनुसार, वे लंबी हड़ताल की तैयारी कर रहे हैं। सिर्फ डेढ़ दिन की ही हड़ताल से कैसी मुसीबतें पैदा हो आई हैं, इन्हें हमने मंगलवार को चंडीगढ़ और उसके आस-पास देख लिया है। कोशिश यह होनी चाहिए थी कि ऐसी नौबत ही न आती। मगर देश में दुर्भाग्य से एक धारणा यह बन गई है कि जब तक हड़ताल न हो और बाधा न पहुंचाई जाए, तब तक कोई सुनवाई ही नहीं होती। कुछ हद तक यह धारणा है, तो कुछ हद तक लोगों का कटु अनुभव भी। अनेक मामलों में यह देखा गया है कि जिम्मेदार अधिकारी हालात बिगड़ने का मानो इंतजार करते हैं। समस्या गंभीर रूप ले, इसके पहले सरकार को वाहन चालकों और उनके संगठनों से बात करनी होगी। दुर्घटनाग्रस्त लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके और उन्हें सड़क पर बेहाल न छोड़ दिया जाए, इसे लेकर सरकार की चिंता बहुत वाजिब है, लेकिन इसे लेकर बनाया गया कानून अगर किसी के मन में ज्यादा आशंकाएं पैदा कर रहा है, तो उसका समय रहते निवारण भी जरूरी है।

दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग

कार्यालयः श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, बी-21 ए, गणेश मार्ग, बापू नगर, जयपुर- 302015

नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह

रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर

रक्तदान महादान

रविवार, 7 जनवरी 2024

समयः प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक

स्थानः दिगम्बर जैन नसियां भट्टारकजी, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

शिविर में राजस्थान अस्पताल के निम्न विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी...

हृदय रोग विशेषज्ञ	फिजीशियन	हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. गोविंद एन शर्मा	डॉ. डी के जैन	डॉ. जितेश जैन

पल्मोनोलॉजिस्ट	स्त्री रोग विशेषज्ञ	नैत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. मधुर जोशी	डॉ. शिल्पा जेतवानी	डॉ. निकिता जैन

विशेष

डॉ. पीयूष त्रिवेदी

एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ

शिविर में उपलब्ध निःशुल्क जांचें

नोटः-1. जांच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा।
2.रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉक्टर की पर्ची साथ लेकर आवें।

बीएमडी	शुगर	लिपिड प्रोफाइल	ई.सी.जी.
पीएफटी	बीपी	वेट	हाईट

सभी रक्तदाताओं को यातायात अवेयरनेस को ध्यान में रखते हुए ISI मार्का हेलमेट भेंट किए जाएंगे

चिकित्सा शिविर उद्घाटनकर्ता
हाड़ालोक हितकारी ट्रस्ट
तिलक नगर, जयपुर

रक्तदान शिविर उद्घाटनकर्ता
डॉ. पी सी जैन
बापू नगर, जयपुर

शिविर प्रभारी
डॉ. जी. सी. जैन 9982498221
राकेश गोदिका 9414078380

सहप्रभारीः- ई. बलवीर जैन, श्रीमती बबीता जैन, रोहित जैन, पवन पाटनी, अनिल संघी

उमरावमल संघी	ज्ञानचन्द झांझरी	निर्मल कुमार संघी	सीए वी.के. जैन	डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष	मानद मंत्री

समारोह समन्वयकः- सुरेन्द्र कुमार मोदी, महावीर कुमार जैन, संजय पाटनी, रमेश बोहरा

आठवीं पुण्य तिथि 5 जनवरी 2024 पर

आदर्श प्रतिष्ठाचार्य प्रतिष्ठा पितामह पं. गुलाब चन्द्र जी 'पुष्प'

डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर

साधु, धर्मगुरु, पण्डित, विद्वान और प्रतिष्ठाचार्य वे विभूतियाँ हैं जो स्वयं का कल्याण तो करते ही हैं , जन - जन को धर्म की राह दिखाते हैं। परमपूज्य सन्तों, राष्ट्रनेताओं, सामाजिक कर्णधारों और विविध क्षेत्रों में अपने प्रशस्त कृतित्व से सम्पूर्ण वसुन्धरा एवं चिन्तना को महिमा मण्डित करने वालों का प्रतिवन्दन सदैव स्वागतेय होता है। इसी दैदीप्यमान मणिमाला में 'सादाजीवन उच्च विचार के सशक्त हस्ताक्षर कालजयी प्रतिष्ठाचार्य माननीय पं . गुलाबचन्द्र जी जैन ' पुष्प ' एक ऐसा नाम रहा है जो सम्पूर्ण जैन जगत में अत्यधिक विश्रुत और श्रद्धास्पद है। सम्यक रत्नत्रय के प्रशस्त आराधक पण्डित 'पुष्प' जी को अपने आचार्यत्व में शताधिक पञ्चकल्याणक प्रतिष्ठाएं और अर्द्धशतक गजरथ महोत्सव शास्त्रोक्त विधि - विधान पूर्वक सुसम्पन्न कराने का गौरव प्राप्त है। प्रतिष्ठा कार्यों में आगम - सम्मत क्रियाओं को प्रभावना- पूर्वक निष्पन्न कराने वाले पं . पुष्प जी वाणीभूषण रहे हैं । उनकी प्रभविष्णु प्रतिष्ठा शैली और सहज वैदुष्य से अभिभूत समाज ने विविध अवसरों पर उन्हें संहितासूरि वाणीभूषण धर्मरत्न, साहित्यरत्न, विद्वद्रत्न, प्रतिष्ठारत्न, प्रतिष्ठातिलक, प्रतिष्ठादिवाकर प्रभृति अलंकरणों से महिमा मण्डित किया है। मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जनपद के ककरवाहा ग्राम की भूमि को अपने जन्म से प्रख्यात करने वाले उद्भट मनीषी आदरणीय पं . गुलाबचन्द्र जी जैन ' पुष्प ' आगमोक्त देव शास्त्र - गुरु के अनन्य उपासक , हित मित मधुरभाषी सहृदय विद्वान्थे। पं . जी के व्यक्तित्व में आगमोक्त विधि - विधान की प्रभविष्णुता, प्रभावी वक्तृता, कुशल रचनाधर्मिता और संयमी जीवन यापन का अभूतपूर्व संगम था। यही कारण है कि वे परमपूज्य साधु - सन्तों के भी अधिक निकट रहे। पं . ' पुष्प जी आडम्बरविहीन विशुद्धमार्गी प्रतिष्ठाचार्य के साथ - साथ सिद्धान्तमर्मज्ञ , कुशल समाजसेवक, विद्या अभिवर्धक, निष्णात वैद्य, निर्णायक पञ्च, संगीतज्ञ, ज्योतिर्विद और आशुकवि थे। आदरणीय ' पुष्प ' जी एक ऐसे उद्भट मनीषी थे जो अपनी कलाओं , विद्याओं तथा विशेषज्ञताओं को उदारतापूर्वक सर्वसामान्य को प्रदान करते थे। वे अनेक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों के प्रणेता भी हैं । 'पुष्प' जी आर्ष परम्परा के उन मनीषियों में अग्रगण्य रहे हैं जिन्होंने अपना समग्र जीवन भगवती जिनवाणी माता की आराधना एवं उसके प्रचार - प्रसार में समर्पित कर दिया था । ' पुष्प ' जी स्वयं तो प्रतिष्ठाचार्य थे ही , उन्हें एक यशस्वी प्रतिष्ठाचार्य का सुपुत्र होने का सौभाग्य और एक उदीयमान प्रतिष्ठाचार्य का पिता होने का भी गौरव प्राप्त है । ' पुष्प ' जी के पिता पं . मन्नूलाल जी अपने समय के लब्धप्रतिष्ठ प्रतिष्ठाचार्य थे । ' पुष्प ' जी ने उन्हीं से प्रतिष्ठाचार्य बनने न केवल प्रेरणा प्राप्त की प्रत्युत प्रशिक्षण भी प्राप्त किया । ' पुष्प ' जी के भरे - पूरे परिवार में उनके चतुर्थ पुत्र ब्र . जय ' निशान्त ' जी महामंत्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि परिषद ,परमपूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी मुनि महाराज के उपदेश आदेशानुसार अपने पिता से इस प्रतिष्ठाशास्त्र की विद्या की धरोहर को सम्भालने में दत्तावधान हैं ।" पुष्प ' जी समाज, धर्म , साहित्य , शिक्षा , संस्कृति , कला , इतिहास एवं पुरातत्त्व के आराधक, सम्बर्द्धक , संरक्षक मनीषी थे। उनकी क्रियाशीलता, बहुज्ञता - विशेषज्ञता और सहजता का अनेकविध लाभ सिद्धक्षेत्र अहार , द्रोणगिरि , नैनागिरि ,

अतिशय क्षेत्र पपौरा , गिरारगिरि और नवागढ़ आदि को प्राप्त हुआ है । श्री पं . मन्नूलाल जी की स्मृति में अपनी जन्मभूमि ककरवाहा में हाईस्कूल की संस्थापना , घुवारा में श्री गणेशप्रसाद वर्णी स्नातक महाविद्यालय की स्थापना हेतु प्रेरणाप्रद उदार दान एवं सागर के भाग्योदय तीर्थ को अपने उल्लेखनीय आर्थिक सहयोग से करना पं . ' पुष्प ' जी की निजी विशेषता है ।भारतीय मनीषा के मूर्तरूप पं . गुलाब चन्द्र जी ' पुष्प ' बुन्देलखण्ड के एक ऐसे सपूत थे जिनकी निष्ठा , अध्यवसाय , सार्वजनीन सोच संयमी - अनुशासित जीवनचर्या और रचनाधर्मिता ने उन्हें आवाल - वृद्ध सभी का श्रद्धास्पद बना दिया। साधनहीन छोटे से गाँव ककरवाहा में जन्में ''**पुष्प**'' जी ने अपने जीवन की तरुणाई के पहले चरण में बहुत से उतार - चढाव देखे , झंझावातों का मुकाबला किया , किन्तु अश्रान्त पथिक की भाँति वे सीढी दर सीढी ऊपर बढ़ते गये और परिणाम यह हुआ कि तरुणाई पार करते ही वे अच्छे प्रतिष्ठाचार्य के रूप में जग जाहिर हुए । पूर्व से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक उनकी निर्विवाद छवि तथा विशुद्ध आगमानुसारी प्रतिष्ठा पद्धति की गूँज सर्वत्र गूँजने लगी । उन्होंने विधि - विधान और प्रतिष्ठाशास्त्र को अपनी विशेषज्ञता का क्षेत्र बनाया । उनकी क्रियाशीलता के उदाहरण बहुत से पञ्चकल्याणक महोत्सवों, मन्दिर - वेदी - प्रतिष्ठाओं और गजरथ महोत्सवों की निर्विघ्न सम्पन्नता में दिखाई पड़ते हैं और सृजनशीलता उनके द्वारा प्रणीत 'प्रतिष्ठारत्नाकर ' आदि ग्रन्थों में निदर्शित होती है। पुष्प ' जी द्वारा प्रणीत ''प्रतिष्ठा रत्नाकर'' अपने विषय का परिपूर्ण मानक दर्पण है । लगभग 750 पृष्ठों के इस महाग्रन्थ में प्रतिष्ठा सम्बन्धी सभी विधि - विधानों का जो सांगोपांग , शास्त्रसम्मत विश्लेषण पं . जी ने किया है वह अद्वितीय है। इस महाग्रन्थ से दुरूह प्रतिष्ठाप्रविधियाँ प्रतिष्ठा कार्य सम्पन्न कराने के अभिलाषी विद्वानों के अतिरिक्त सामान्य जनों को भी हस्तामलकवत् सहज सुबोध हो उठी । इसके अतिरिक्त पं . जी की अन्य प्रमुख कृतियाँ हैं : प्रतिष्ठा - दर्पण , अर्चना गीत , याग - मण्डल विधान , व्रतोद्यापन संग्रह आदि। पुष्प जी के व्यक्तित्व की चमक बढ़ाने और उनकी कीर्ति प्रसारित करने में उनकी अपनी साधना तो कारण रही ही है , परन्तु एक और बड़ा सशक्त कारण यह है कि वे निष्ठावान प्रतिष्ठाचार्यों की अपनी ही तीन पीढ़ियों की माला के मध्य में एक आभावान मणि की तरह सुशोभित थे। उनके पूज्य पिता पण्डित मन्नूलाल जी अपने समय के माने हुए प्रतिष्ठाचार्य थे और अपनी विनम्रता तथा निःस्पृहता के लिये विशेष रूप से जाने जाते थे । पुष्प जी स्वयं अपनी अनेक विशेषताओं के साथ जाने जाते थेऔर उनके होनहार सुपुत्र आदरणीय ब्र. जय कुमार जी ' निशान्त ' भैया भी आजन्म ब्रह्मचर्य का संकल्प लिये , अपने पिता के समान अनुशासन में प्रतिष्ठा कार्यों के साथ प्रतिबद्ध , एक निष्णात प्रतिष्ठाचार्य के रूप में , सारे देश में ख्याति प्राप्त कर चुके हैं । प्रतिष्ठा के क्षेत्र में ऐसा तीन पीढ़ियों का अक्षुण्ण योगदान किसी भी प्रतिष्ठाचार्य के लिये बड़ा दुर्लभ संयोग है । आदरणीय पुष्पजी सचमुच भाग्यशाली थे कि यह उत्तम संयोग उनके अवदान का प्रभा - मण्डल बन कर इतिहास में उनकी कीर्ति को प्रसारित कर रहा है। आदरणीय पुष्पजी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सराकोद्धरक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के सान्निध्य में अतिशय क्षेत्र बड़ागांव खेकड़ा जिला बागपत में 'पुष्पांजलि' अभिनंदन ग्रंथ समर्पण करके प्रतिष्ठा पितामह की उपाधि से अलंकृत किया गया था । सुप्रसिद्ध गीतकार रवींद्र जैन मुंबई ने लिखा था -

रत्नाकर के रत्न प्रतिष्ठा के वे अमित तिलक हैं।
पुष्पांजलि के द्वारा इनके वन्दन-अभिनंदन हैं।।

पुष्प जी के समग्र समर्पण से ही आज ललितपुर जनपद में स्थित प्रागैतिहासिक दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र नवागढ़ जन-जन की आस्था का केंद्र बन रहा है। उनके बाद आदरणीय ब्र. जयकुमार जी निशांत भैया विरासत सहेज रहे हैं। नवागढ़ क्षेत्र को शून्य से शिखर तक विकास के आयाम स्थापित करने में आपका योगदान जैन संस्कृति की इतिहास में सदैव अमर रहेगा। पिछले वर्ष से यहाँ गुरुकुल का संचालन भी शुरू हो गया है जो एक नया आयाम स्थापित कर रहा है। आदरणीय जयनिशांत भैया जी ने पुष्प जी के सपने को साकार करने का संकल्प किया है। आप निरंतर नवागढ़ क्षेत्र के पुरातत्व के अन्वेषण एवं विकास के लिए दृढ़ता एवं समर्पण के साथ संलग्न है। इसी का सुफल है कि आज नवागढ़ क्षेत्र प्राचीनतम पुरातात्विक धरोहर के लिए विश्व विख्यात हो रहा है । प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाब चंद जी पुष्प प्रतिष्ठाचार्य, जैन जगत के विख्यात एवं सर्वमान्य प्रतिष्ठाचार्य रहे हैं, जिन्हें सभी आचार्यों श्रेष्ठियों,विद्वानों का बहुमत प्राप्त रहा है। आपने आगमोक्त चर्या के साथ प्रतिष्ठा कार्य करते हुए आदर्श स्थापित किया है। आपने कभी भी किसी परिस्थिति में कोई समझौता नहीं किया, भले ही आपने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा करने से मना कर दिया। परम आदरणीय गुलाब चंद्र पुष्प का जीवन आदर्श रहा है , आपने अधिकांश समय स्वाध्याय एवं अनुष्ठान में व्यतीत किया था। उन्होंने ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दो प्रतिमा के व्रत कोनी अतिशय क्षेत्र में ग्रहण करके व्रती जीवन का शुभारंभ किया था। धर्म आचरण करते हुए अपने परिवार से उदासीन होकर इंदौर पंचबालयती आश्रम को साधना स्थल बनाया। उनका अंतिम संस्कार नवागढ़ तीर्थक्षेत्र पर हुआ था। मेरा सौभाग्य रहा कि परम श्रद्धेय गुलाब चन्द्र जी पुष्प का मार्गदर्शन मुझे प्राप्त हुआ। उनकी जन्म शताब्दी वर्ष पर उनकी आठवी पुण्य तिथि पर उन्हें शत-शत नमन, श्रद्धांजलि।

लोकोदय तीर्थक्षेत्र पर 24 समवशरण श्री कल्पद्रुम महामन्डल विधान आयोजित

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा मथुरा नेशनल हाईवे स्थित अंतरराष्ट्रीय लोकोदय तीर्थ की भूमि पर आगरा नगर के इतिहास में पहली बार 24 समवशरण श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान का आयोजन चल रहा है।जहां प्रत्येक दिन लगभग दो हजार इन्द्र-इन्द्राणियां और अन्य भक्त इस मांगलिक विधान में सहभागिता करने के उद्देश्य से प्रतिदिन विधान स्थल पर आ रहे हैं। जनवरी के पहले हफ्ते की ठिठुरती ठंड में यूं तो सूरज देवता की चमक फीकी है जहां विधान के चौथे दिन 04 जनवरी को सभी इन्द्र- इन्द्रणियों ने भव्य 24 समवशरण के समक्ष बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैय्या सुयश जी के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष अर्घ्य अर्पित कर विधान की क्रियाएं सम्पन्न कीं निर्यापक मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री गम्भीरसागर जी महाराज के सानिध्य में 1 जनवरी से निरन्तर चल रहे 24 समवशरण श्री कल्पद्रुम महामंडल विधान के दौरान प्रांगण का वातावरण अत्यंत रमणीय होता है।विधान के मध्य में मुनिश्री ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कभी भी सपने में भी एक बार भाव आ जाये कि माँ बाप ने हमें क्या दिया है, समझ लेना तुमने जितना विकास किया है साँप सीढ़ी के समान आखिरी खाने से नीचे के खाने में आ जाओगे तुरन्त।जिसने तुम्हे जन्म दिया है वो कितना भी निकृष्ट हो जाये, तुम्हे खाने को भी न देवे, एक कोड़ी भी न देवे तो भी कभी ये मत बोलना, मत सोचना कि मुझे मेरे माँ-बाप ने क्या दिया है, यदि इतना भी मन मे विचार आ गया समझ लेना तुम्हारी यह कृतघ्नता पूरी जिंदगी को शून्य पे ला देगी। यह मत समझना कि तुम आज धनवान हो, आज तुम सुखी हो तो कल भी रहोगे, निरन्तर सावधानी की जरूरत है, तुम कहो कि हमे पुण्य कमाने की जरूरत क्या है, हमारे पास तो बहुत पुण्य है, एक क्षण में सारा पुण्य खत्म हो सकता है, ये मत समझना कि हमारे पास इतना है तो पूरी जिंदगी निकाल लेंगे, एक क्षण लगेगा कुछ नही बचेगा। तुम्हारा पुण्य सोने के समान है और साधु का पुण्य पारस पत्थर के समान है जिसे लोहा छुए तो वो सोना बन जाये।जो कुछ नही लेता है उसे ही सबकुछ देना है, जो हमे आँख उठाकर नही देखता है, नासा दृष्टि किये है, उसे हमे आँख फाड़कर देखना है। जो किसी से कुछ नही बोलता, हमे उससे ही बोलना है, जो किसी को कुछ नही देता, वही से हमे सबकुछ लेना है। जब पाप करने की ताकत है तब पाप को छोड़ो, जब धर्म करने की ताकत है तब धर्म करो, जब दान देने की ताकत है तब दान दो। जैनी का धन महत्वपूर्ण है, एक जुआरी का नही, जैनी के धन से यदि गलत हो गया तो जैनी को माफ नहीं किया जाएगा, सीधा भिखारी बनेगा क्योंकि जैनी का धन था, अच्छा था। जैनी का धन कभी बुरा नही होता। जैनी का कुछ भी बुरा नहीं, सब कुछ अच्छा होता है लोकोदय तीर्थ नही बनवा रहा हूँ, तुम्हे विष्टा का कीड़ा होने से बचा रहा हूँ, पाप करते समय सोचो कोई काम नही आएगा, तुम्हारा कमाया हुआ कुछ काम नही आना है, बेटे की किस्मत बेटे की है, तुम्हारी किस्मत तुम्हारी है। भरत चक्रवर्ती का चक्ररत्न उसके बेटे के काम नही आया। पुण्यवान बेटा वह है जो बाप के मकान में जन्म लेता है और पुण्यवान बाप वह है जो बेटे के मकान में मरता है। जितने बड़े राजा महाराजा हुए उन्होंने उसे कभी मरघट नही बनाया, सन्यास लेकर निकल गए। तुम सन्यास न ले सको तो लोकोदय तीर्थ में दान दे दो। अपने पिता से कहना तुम चिंता मत करो आपने मुझे मकान में जन्म दिया है तो आपकी मृत्यु भी मेरे मकान में होगी। बेटे के मकान का नांगल करो, अपने मकान को दान में दो, जाओ जन्म जन्म के लिए एक दिन सिद्धालय को पा जाओगे। जिसका आनंद समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उठा रहे हैं। विधान का संचालन मनोज जैन बाकलीवल ने कियो इस अवसर पर,प्रदीप जैन मनोज जैन बाकलीवाल नीरज जैन जिनवाणी, निर्मल मोठ्या,प्रदीप जैन शास्त्री भैया जी,पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा,राजेश बैनाड़ा विवेक बैनाड़ा,राजेश सेठी,अमित जैन बॉबी,राजेश जैन, पंकज जैन,अनिल जैन शास्त्री,मीडिया प्रभारी शुभम जैन,राहुल जैन,दिलीप जैन उत्तमचंद जैन,पंकज जैन,यतीन्द्र जैन,पंकज जैन,शैलेंद्र जैन,अनिल जैन नरेश जैन,समस्त आगरा जैन समाज के लोग एवं बाहर से पधारे गुरुभक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट :
शुभम जैन

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के 20 सदस्य केरल की दस दिन की यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सदस्य केरल के दस दिन की यात्रा पर ग्रुप अध्यक्ष मनीष - शोभना लोंग्या के नेतृत्व में आज 4 जनवरी को जयपुर एयरपोर्ट से रवाना हुए।सचिव राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि यह दल 13 जनवरी को रात्रि में वापस जयपुर आयेगा। यात्रा दल में मनीष - शोभना लोंग्या के साथ राजेश - रानी पाटनी, संजय - ज्योति छाबड़ा, विनोद- शशि तिजरिया, राजेश - जैना गंगवाल, दिलीप- प्रमिला जैन, पंकज- नीना जैन , पारस जैन, राजीव , आशीष आदि सदस्य हैं।

विधायक गोपाल शर्मा का किया अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा का अभिनंदन व सम्मान किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पूर्व प्रदेश सदस्य नरेश जैन मेड़ता एवं पूर्व पार्षद मोनिका जैन ने विधायक गोपाल शर्मा से विभिन्न मुद्दों एवं विकास कार्य पर चर्चा की ।

सहायक प्रांतपाल रोटेरियन एस एल विधानी को प्रशिक्षण शिविर में प्रेरक वक्ता के लिए अमंत्रित किया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी प्रांत 3056 के जोन-24 के सहायक प्रांतपाल रोटेरियन एस एल विधानी को प्रांत 3100 उत्तराखंड के श्रीनगर मुख्य सहायक प्रांतपाल, अध्यक्ष व सचिवों के 26 जनवरी से 28 जनवरी तक होने वाले प्रशिक्षण शिविर में प्रेरक वक्ता के लिए अमंत्रित किया गया है। उल्लेखनीय हैं कि रोटेरियन विधानी जूनियर चैंबर इंटरनेशनल के राष्ट्रीय प्रशिक्षक होने के साथ-साथ जेसीआई के वर्ष 1997 के राज्य अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

सेंट्रल पार्क में सफाई अभियान का आगाज किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुशासन पखवाड़े के अंतर्गत दिनांक 4 जनवरी 2024 को सेंट्रल पार्क में नगर निगम चेयरमैन जितेंद्र श्रीमाली एवं सुनील कुमावत प्रदेश सहसंयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ के अंतर्गत सफाई अभियान का आगाज किया । प्रमोद जैन भंवर संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी, भास्कर पुरोहित उपाध्यक्ष राजा पार्क मंडल, अरुण कुमार तिवारी, ज्ञानचंद शर्मा,शेर सिंह राजावत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान चंद्रप्रभु एवम पार्श्वनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव रविवार को मनाएंगे

रजत पालकी में निकलेगी भव्य शोभा यात्रा

टोंक. शाबाश इंडिया। चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर तेरापंथियान माणक चौक पुरानी टोक में रविवार को भगवान चंद्र प्रभु का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा मंदिर समिति के अध्यक्ष देवराज काला, प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः मंदिर में 108 रिद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ 220 श्रावक श्रेष्ठियों के नाम के उच्चारण के साथ भगवान चंद्रप्रभु, भगवान पार्श्वनाथ एवं भगवान आदिनाथ का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की जाएगी तत्पश्चात एक विशाल शोभा यात्रा माणक चौक से महावीर चौक तक निकाली जाएगी जिसमें शाही लवाजमे के साथ घोड़ी बाजा छतरी चँवर बल्लम झांकिया वर्धमान पाठशाला के बालक महिला पुरुष हाथों में केसरिया ध्वज लहराते हुए इंद्र बने हुए श्रावक श्री जी को गंगा जमुना कलर युक्त हीरे जवाहरात जड़ित रजत पालकी में विराजमान कर शोभायात्रा निकालेंगे मंदिर समिति के मंत्री चेतन बिलासपुरिया ने बताया कि शोभा यात्रा का विसर्जन वापसी में जैन संत भवन पुरानी टोंक में होगा कार्यक्रम में टोंक देवली टोडा मालपुरा निवाई जयपुर अजमेर दिल्ली आदि स्थानों से श्रद्धालु पधारेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com